ISBN : 978-93-92568-27-5

यादों के झरोखे

डॉ. प्रकाश पतंगीवार

यादों के झरोखे

laiknd o laxzg.kdÙkkZ

M,- izdk'k iraxhokj

रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

Publisher

Aditi Publication, Raipur, Chhattisgarh, INDIA

;knk dk >jk[k

2022
Edition - **01**

liknd o lxg.kdÙkk
M,- idk'k irxhokj
रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ISBN : **978-93-92568-27-5**

Copyright© All Rights Reserved
No parts of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of original Editor.

Price : Rs. **150/-**

Publisher & Printed by :
Aditi Publication,
Opp. New Panchajanya vidya Mandir, Near Tiranga Chowk,
Kushalpur, Raipur, Chhattisgarh, INDIA
+91 9425210308

laiknd o laxzg.kdrkZ

डॉ. प्रकाश पतंगीवार

laiknh; lg;ksx

श्रीमती झमित साहू

कृष्णा साहू

डॉ. दीनदयाल साहू

डॉ. कुबेर गुरूपंच

lkSTU;

रचना साहित्य समिति,
गुरूर, जिला बालोद, छत्तीसगढ़

श्रीमती संगीता सिन्हा
विधायक
59, संजारी-बालोद

निवास -
बाजार चौक, गुरुर
जिला-बालोद (छ.ग.)
मो. 94792-72072

क्र./1624/2022

गुरुर, दिनांक 19.10.2022

꧁ मंगलकामना संदेश ꧂

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि हमारे गुरूर निवासी साहित्यकार एवं समाजसेवी स्व० कुलदीप सिंह साहू की सुपुत्री श्रीमती झमित साहू द्वारा अपने पूज्य पिता की अप्रकाशित रचनाओं का संकलन कर **"कुलदीप की पाती"** नामक कविता संग्रह का प्रकाशन किया जा रहा है, जो कि सिर्फ गुरूर के लिए ही नहीं अपितु हमारे प्रदेश व समूचे साहित्य-जगत के लिए गौरव की बात है। मुझे विश्वास है कि अपने पिता की पुण्य स्मृति में प्रकाशित यह कविता संग्रह सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं समसामयिक गतिविधियों को आमजन तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

"कुलदीप की पाती" के सफल प्रकाशन के लिए श्रीमती झमित साहू को मेरी हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं....

भवदीया

(संगीता सिन्हा)

कार्यालय : बस स्टैण्ड, गुरुर Email mla.balod@gmail.com

रचना साहित्य समिति गुरूर, जिला-बालोद (छ.ग.)

संरक्षक – श्री टी.आर. महमल्ला, श्री मोहन प्रसाद चतुर्वेदी

अध्यक्ष–श्री डी.आर. गजेन्द्र सचिव–श्री भरत बुलन्दी कोषाध्यक्ष–श्री एच.डी. महमल्ला

क्र. .... दिनाँक: 19/10/2022

शुभकामना-संदेश

मुझे यह जानकर बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि हमारे अंचल के सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री कुलदीप सिंह साहू का संस्मरण संग्रह हमारे साहित्य समिति के मूर्धन्य साहित्यकार डॉ. प्रकाश पतंगीवार जी द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। वर्तमान पीढ़ी को ऐसे साहित्कारों की रचनाओं को पढ़ने, समझने एवं प्रेरणा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा।

श्री कुलदीप सिंह साहू का संस्मरण संग्रह के प्रकाशन के लिए डॉ. प्रकाश पतंगीवार को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनायें .....।

डी.आर. गजेन्द्र

अध्यक्ष

रचना साहित्य समिति गुरूर

9424116639

संपादकीय

गुरूर जैसे ऐतिहासिक क्षेत्र में महान–महान विभूतियां हुई है। 50 वर्षों का इतिहास देखें, तो इन विभूतियों में उमर सेठ, सेठ प्रतापचंद खत्री, भीमराज किरी, मिश्रीलाल खत्री, इसराज वादक करण सिंह, प्रथम राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक चितर सिंह, समाज सेवक तेजराम साहू, स्वाणी शरणानंद, धिराजीराम सोरी, हरदेव प्रसाद हुए है। इन सबका संस्मरण लिखा जा सकता था। लेकिन नहीं लिखा गया। ये सब सामाजिक सेवक भी थे और सबके सलाहकार।

खुशी की बात यह है कि णाराम (कुलदीप साहू) का संस्मरण प्रकाशित किया जा रहा है, जो कि अनूठी और प्रथम संस्मरण किताब होगी। डॉ. दीनदयाल साहू, संपादक चौपाल दैनिक हरिभूमि ने कुलदीप की कविताओं का संग्रह प्रकाशित किया, जिसे देखकर मुझे महसूस हुआ कि कुलदीप की यादें भी संग्रहित की जा सकती है। मैं जुट गया, कुलदीप के अतीत की याद करने। संस्मरण संग्रह का नाम है –

यादों के झरोखे

गुरूरवासी गांव के हस्ताक्षर को भूल गये है। संस्मरण का उद्देश्य है – स्मृति को पुर्नजीवित करना। कुलदीप के जीवन में घटित घटनाओं का सचित्र विवरण है। संस्मरण में आवश्यक यह है कि लेखक की कथित व्यक्ति से भेंट हुई हो और उनके बारे में लेखक सब कुछ जानता हो। इसी तरह स्मरण करना संस्मरण की श्रेणी में गिना जाता है। 12 संस्मरण की यह पुस्तक है। कथा शैली, आत्मकथात्मक और कहीं चित्रांकन किया गया है। कुलदीप के यथार्थ जीवन से संबंधित घटनाओं का जीता–जागता प्रमाण है। सामाजिक व साहित्यिक अवदानों की पूंजी है।

आशा है कि गुरूर क्षेत्र के निवासियों को यह संस्मरण पसंद आयेगा और वे इससे प्रेरणा ले सकेंगे।

– संपादक

मन की बात

आदरणीय डॉ. प्रकाश पतंगीवार जी

मुझे यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि आप कुलदीप सिंह साहू उर्फ अनाराम के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपनी संस्मरण लिखने जा रहे हैं। आप साहित्यिक दृष्टिकोण से कुलदीप जी के काफी समीप रहे हैं। आपसे उनका परस्पर संपर्क बना रहता था। आप दोनों गुरुर निवासी होने के कारण नजदीक से पारिवारिक एवं साहित्यिक रूप से काफी करीबी रहे।

आपके इस प्रयास से ही स्पष्ट हो जाता है कि आप कुलदीप जी के व्यक्तित्व से काफी प्रभावित रहे हैं जिसका परिणाम आज हमें पुस्तक के रूप में मिलने जा रहा है। आपकी इस लेखनी से एक गुमनाम से रहे लेखक की कलम को सबके सामने उजागर करने का जो आपने बड़ा उठाया है यह प्रशंसनीय और वंदनीय है। यादों के झरोखे शीर्षक से।

इस पुस्तक के आ जाने से नई पीढ़ी के रचनाकारों को इस कवि के बारे में उन्हें नजदीकी के जानने और समझने का अवसर मिलेगा। यह प्रयास गुरूर और बालोद क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। इतना ही नहीं मुझे आशा और विश्वास है की कुलदीप जी की लेखनी का लाभ एक सामान्य जन को भी मिलेगा।

अतः आपके इस प्रयास के लिए आपको पुनः कोटि कोटि धन्यवाद व बधाई...।

M,- nhun;ky lkgq
साहित्यकार व संपादक
भिलाई नगर

अनुक्रमणिका

1.	उनका काव्यचिंतन	डॉ. प्रकाश पतंगीवार	01
2.	विराम जिंदगी का	डॉ. कुबेर सिंह गुरूपंच	02
3.	सामाजिक संपर्क	रामाधार साहू	07
4.	मेरे प्रेरणास्त्रोत मेरे पापा	झमित साहू	11
5.	स्वाभिमानी और फक्कड़पन प्रवृत्ति	टी. आर. महमल्ला	14
6.	रावण का जीवंत अभिनय	रामकुमार साहू	19
7.	होली का हुड़दंग : कुलदीप के संग	प्रदीप मेहता	24
8.	संघीय व सामंती सोच के पोषक	प्रो. के. मुरारीदास	31
9.	छपास रोग नहीं व्यापा	डॉ. प्रकाश पतंगीवार	35
10.	सजग नागरिक	बेनूराम सेन	40
11.	कंकालीन की साहित्यिक यात्रा	डॉ. प्रकाश पतंगीवार	42
12.	कृषक और साहित्यकार	मोहन चतुर्वेदी	47

Aditi Publication

Aditi Publication
Opp. New Panchjanya Vidya Mandir, Near Tiranga Chowk,
Kushalpur, Dist.- Raipur-492001, Chhattisgarh
shodhsamagam1@gmail.com, +91 94252 10308

978-93-92568-27-5

₹ 150